भारत का तीसरा चंद्र मिशन

हाल ही में **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** ने CE-20 **क्रायोजेनिक इंजन** की उड़ान हेतु स्वीकृति के लिये परीक्षण पूर्ण किया, जो चंद्रयान-3 प्रक्षेपण यान के क्रायोजेनिक इंजन को ऊपरी चरण में शक्ति प्रदान करेगा।

- **यह परीक्षण तमिलनाडु में स्थित इसरो प्रोपल्सन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।**

परीक्षण की मुख्य विशेषताएँ:

- **नियोजित अवधि के लिये हाई एल्टीट्यूड टेस्ट फैसिलिटी में यह हॉट परीक्षण किया गया।**
- **परीक्षण के दौरान सभी प्रणोदन पैरामीटर संतोषजनक पाए गए और सभी अनुमानों पर खरे उतरे।**
- क्रायोजेनिक इंजन के पूरी तरह से एकीकृत उड़ान चरण को प्राप्त करने के लिये प्रणोदक टैंकों, चरण संरचनाओं और संबंधित द्रव लाइनों को एक साथ एकीकृत किया जाएगा।

चंद्रयान-3 मिशन:

- चंद्रयान-3 **भारत का तीसरा चंद्रमा मिशन** है और **जुलाई 2019 के चंद्रयान-2 का अनुवर्ती है**, जिसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक रोवर भेजना था।
    - मिशन का प्रक्षेपण, श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से **लॉन्च व्हीकल मार्क 3 (LVM3) द्वारा 2023 में निर्धारित** किया गया है।
- **विक्रम लैंडर की विफलता ने** 2024 के लिये जापान के साथ साझेदारी में प्रस्तावित चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन हेतु **आवश्यक लैंडिंग कौशल को प्रदर्शित करने के लिये एक अलग मिशन की खोज को प्रेरित किया।**
- **मिशन में तीन प्रमुख मॉड्यूल होंगे**- प्रणोदन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर।
- प्रणोदन मॉड्यूल, **लैंडर और रोवर कॉन्फिगरेशन को 100 किमी. की चंद्र कक्षा तक ले जाएगा।**
    - लैंडर एक **पूर्व निर्धारित चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंड करने और रोवर को तैनात करने में सक्षम होगा,** जो गतिशीलता के दौरान **चंद्रमा की सतह का स्व-स्थाने (In-Situ) रासायनिक विश्लेषण करेगा।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

इसरो द्वारा प्रमोचित मंगलयान

1. को मार्स ऑर्बिटर मिशन भी कहा जाता है।
2. ने भारत को, USA के बाद मंगल के चारों ओर अंतरिक्ष यान को चक्रमण करने वाला दूसरा देश बना दिया है।
3. ने भारत को एकमात्र देश बना दिया है, जिसने अपने अंतरिक्ष यान को मंगल के चारों ओर चक्रमण कराने में पहली बार में ही सफलता प्राप्त कर ली।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. भारत का अपना स्वयं का अंतरिक्ष केंद्र प्राप्त करने की क्या योजना है और हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को यह किस प्रकार लाभ पहुँचाएगा? (2019)

प्रश्न. अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों की चर्चा कीजिये। इस प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में किस प्रकार सहायता की है? (2016)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-third-moon-mission